भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.807**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 7 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

इज़राइल और हमास युद्ध के कारण भारतीय निर्यात पर प्रभाव

807. श्रीमती प्रतिमा मण्डल: प्रो. सौगत राय:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इज़राइल और हमास के बीच युद्ध के कारण लाल सागर में हुए घटनाक्रम से भारत से होने वाले निर्यात पर पड़ रहे संकट का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उक्त संघर्ष ने भारत के विदेशी व्यापार को गंभीर रूप से प्रभावित किया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) समस्या के समाधान के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है:
(ङ) क्या सरकार ने इस संबंध में निर्यातकों को सहायता देने के लिए एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन लिमिटेड को कोई निर्देश दिया है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): उद्योग द्वारा माल ढुलाई लागत में कुछ वृद्धि की सूचना दी गई है। भारत से निर्यात जारी है क्योंकि भारत से कंटेनरों को ले जाने वाले जहाजों को केप ऑफ गुड होप मार्ग से मोड़ दिया गया है। लाल सागर में संकट का भी वर्तमान में ज्यादातर बंदरगाहों पर कंटेनरों की उपलब्धता पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। भारतीय नौसेना ने मध्य/उत्तरी अरब सागर में समुद्री निगरानी प्रयासों में और बल के स्तर में काफी वृद्धि की है। संपूर्ण समुद्री डोमेन जागरूकता के लिए लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमानों और आरपीए द्वारा हवाई निगरानी को बढ़ाया गया है। ईईजेड की प्रभावी निगरानी के लिए, भारतीय नौसेना तटरक्षक बल के साथ निकट समन्वय में काम कर रही है। सरकार द्वारा समग्र स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।
(ड.) और (च) सरकार ने एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भारतीय निर्यातकों के लिए बीमा की दरों पर रोक बनाए रखने का निर्देश दिया है। ईसीजीसी ने निर्यातकों को बीमा कवर प्रदान करना जारी रखा है। इसके अलावा, ईसीजीसी ने लाल सागर के माध्यम से होने वाले निर्यात शिपमेंट के लिए कवर से इनकार नहीं किया है और विदेशी खरीदारों के जोखिम मूल्यांकन और क्रेडिट योग्यता तथा भुगतान की शर्तों के आधार पर क्रेडिट जोखिम कवर प्रदान किया जा रहा है।

****